सत्र 2025– 26 में मीडिया एवं जनसंपर्क कमेटी द्वारा विश्वविद्यालयीन गतिविधियों में सहभागिता व विभिन्न मीडिया संस्थानों के लिए न्यूज कवरेज (फरवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक की गतिविधिया)

सम्मान : पुस्तकालय सेवा में उत्कृष्ट योगदान पर सम्मानित किए गए

उप ग्रंथपाल डॉ. संजय को राज्य स्तरीय सम्मान

जगदलपुर @ पत्रिका. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार डोंगरे को छत्तीसगढ़ लाइब्रेरी एसोसिएशन ने वर्ष के उत्कृष्ट विश्वविद्यालय ग्रंथपाल सम्मान से नवाजा है। यह सम्मान उन्हें पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, समर्पित सेवा तथा ज्ञान प्रसार के प्रति सतत प्रयासों के लिए

विवि के कुलपति से अपनी उपलब्धि साझा करते डॉ. संजय कुमार डोंगरे।

प्रदान किया गया। यह सम्मान 27 जनवरी 2026 को प्रदान किया गया। डॉ. डोंगरे की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. डोंगरे को पुस्तकालय के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राज्य स्तर पर पहचाना जाना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

हमें शिक्षा के माध्यम से बस्तर के प्रति धारणाओं को बदलना है : डॉ. देवांगन

जगदलपुर, 9 फरवरी (देशबन्धु)। सोमवार को प्रदेश उच्च शिक्षा के आयुक्त व रूसा के परियोजना संचालक डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों व कर्मचारियों से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन व आश्वासन दिए। डॉ. देवांगन ने कहा कि बस्तर की परिस्थितियों में काम करने वाले अधिकारियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के योगदान को राज्य शासन रेखांकित करता है। उच्च शिक्षा आपकी सभी जरूरतों को बिना भेदभाव के पूरा करने को प्रतिबद्ध है।

डॉ. देवांगन ने कहा कि बस्तर को लेकर आज भी कई गलत धारणाएं हैं जबकि यह स्थान बहुत ही सुंदर है। हमें शिक्षा में माध्यम से बस्तर के प्रति धारणाओं को बदलना है ताकि दुनिया में बस्तर का सही प्रतिबिंब जाए। उन्होंने अकादमिक केलेंडर व एनईपी 2020 के कैरिकुलम का सही समय व बेहतर तरीके से पालन करने के सुझाव दिए। विवि की मांग पर डॉ. देवांगन ने चित्रकोट मार्ग पर करंजी में विवि के लिए जमीन आबंटन के साथ-साथ अन्य अकादमिक व गैर अकादमिक कार्यों के लिए हर संभव सहयोग व राजस्व उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। डॉ. देवांगन ने आगे के माह में विवि में एनईपी पर विशेष कार्यशाला आयोजित करवाने की बात कही। इस अकादमिक बैठक का संचालन करते हुए प्रो. शरद नेमा ने विवि के 18 वर्ष की विकास यात्रा पर पीपीटी प्रजेंटेशन दिया। प्रो. नेमा ने नए पाठ्यक्रम, पीएचडी नोटिफिकेशन, यूटीडी में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, रूसा मद से निर्माणाधीन विवि के बिल्डिंग इत्यादि की जानकारियों से डॉ. देवांगन को अवगत कराया। बैठक का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी, वरिष्ठ व नवनियुक्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

उपलब्धि | बस्तर की बेटियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन

इंटर यूनिवर्सिटी खो-खो के लिए विवि क्वालीफाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . क्वालीफाई होने के बाद मौजूद विवि की छात्राओं की टीम।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर की महिला खो-खो टीम ने ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। एआईयू के तत्वावधान में 10 से 13 फरवरी तक फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर ओडिशा में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सात राज्यों के 37 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, जिससे मुकाबले का स्तर बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रहा। कड़े मुकाबलों के बीच बस्तर विश्वविद्यालय की टीम ने नॉकआउट दौर में लगातार जीत दर्ज कर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। टीम ने जादवपुर यूनिवर्सिटी पश्चिम बंगाल, सीएसवीटीयू भिलाई छत्तीसगढ़, मां मानिकेश्वरी विश्वविद्यालय ओडिशा और द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्धमान (पश्चिम बंगाल) जैसी मजबूत टीमों को पराजित करते हुए अदम्य साहस, अनुशासन और बेहतरीन टीमवर्क का प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ विश्वविद्यालय की महिला टीम ने पहली बार एआईयू द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी खो-खो महिला प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई करेगा। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है। खिलाड़ियों की इस सफलता पर कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे बस्तर अंचल के लिए गर्व का विषय बन गई है और क्षेत्र की युवा खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा लेकर आई है।

विश्व मानव विज्ञान दिवस : विशेष व्याख्यान का किया गया आयोजन

यूनिवर्सिटी में अंडमान-निकोबार की आदिवासी दुनिया पर गहन विमर्श

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . विश्व मानव विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन सभागार में इंडिजेनस वर्ल्ड्स ऑफ द अंडमान एंड निकोबार आइलैंड एन एंथ्रोपोलॉजिकल पर्सपेक्टिव विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण संस्थान, जगदलपुर के सुपरिटेंडिंग एंथ्रोपोलॉजिस्ट डॉ. पीयूष रंजन साहू ने मुख्य वक्ता के रूप में मानव विज्ञान के व्यापक स्वरूप और इसके व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. साहू ने कहा कि मानव विज्ञान केवल जनजातीय समुदायों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानव समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक, जैविक और व्यवहारिक पक्षों का अध्ययन करता है। जनजातीय समुदायों को अध्ययन में प्राथमिकता इसलिए दी जाती है क्योंकि वे कठिन परिस्थितियों और संघर्षपूर्ण जीवन के बीच अपनी परंपराओं को संरक्षित रखे हुए हैं। उन्होंने शोध पद्धति पर जोर देते हुए कहा कि मानव विज्ञान में फील्ड वर्क अत्यंत महत्वपूर्ण है। शोधार्थियों को प्रत्यक्ष अवलोकन, प्राथमिक डाटा संग्रह, स्केच नोट, हेड नोट और फील्ड डायरी तैयार करने की आदत विकसित करनी चाहिए। साथ ही, फील्ड में कार्य करते समय संवेदनशील दृष्टिकोण और सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज से समुदाय के साथ बेहतर संवाद स्थापित होता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लखन लाल विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. सजीवन कुमार, डॉ. शारदा देवांगन, डॉ. प्रकाश कुमार सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बस्तर विवि में व्याख्यान के दौरान छात्रों व प्राध्यापकों को संबोधित करते डॉ. साहू।

बस्तर में शोध के अपार अवसर

डॉ. साहू ने बताया कि विश्व में लगभग पाँच हजार जनजातीय समुदाय हैं, जिनमें से करीब 750 भारत में निवास करते हैं। भारत, अफ्रीका के बाद सबसे अधिक जनजातीय आबादी वाला क्षेत्र है। अंडमान-निकोबार के 572 द्वीपों में से केवल 72 द्वीपों पर ही मानव निवास करते हैं। उन्होंने 1789 में अंग्रेजों के आगमन, 1859 के संघर्ष, नेताजी सुभाषचंद्र बोस के प्रयासों तथा पीवीटीजी और पीएटी से जुड़े प्रावधानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की मिश्रित संस्कृति मानव विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए शोध के अपार अवसर प्रदान करती है।कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष प्रो. स्वपन कुमार कोले ने मानव विज्ञान के महत्व और विभिन्न शाखाओं की जानकारी दी। सह प्राध्यापक डॉ. सुकृता तिर्की ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक सफल मानव विज्ञानी बनने के लिए अधिक से अधिक फील्ड वर्क आवश्यक है।

मिश्रित संस्कृति पर जोर • मानव विज्ञान दिवस पर महेंद्र कर्मा कॉलेज में हुआ व्याख्यान

बस्तर में शोध करने के अपार अवसर दुनिया ने अभी नाममात्र समझा: साहू

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन सभागार में विश्व मानव विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इंडिजेनस वर्ल्ड ऑफ द अंडमान एंड निकोबार आईसलैंड: एन एंथ्रोपोलॉजिकल पर्सपेक्टिव विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मानव विज्ञान की बारीकियों और शोध की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

जगदलपुर। विश्व मानव विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान देते विशेषज्ञ।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण संस्थान, जगदलपुर के सुपरिंटेंडिंग एंथ्रोपोलॉजिस्ट डॉ. पीयूष रंजन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि मानव विज्ञान का दायरा केवल जनजातीय समुदायों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अंतर्गत समस्त मानव समाज के हर पक्ष का गहराई से अध्ययन किया जाता है। उन्होंने जनजातीय अध्ययन की प्राथमिकता का कारण बताते हुए कहा कि यह समुदाय अत्यंत संघर्षपूर्ण जीवन जीता है, इसलिए उन्हें समझना आवश्यक है। डॉ. साहू ने नए शोधार्थियों को फील्ड वर्क के गुर सिखाते हुए बताया कि बेहतर डेटा संग्रह के लिए हेड नोट, फील्ड डायरी और सबसे महत्वपूर्ण रूप से शोधार्थी की सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज व समुदाय के प्रति सहृदयता अनिवार्य है।

भारत की जनजातीय विविधता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि दुनिया के लगभग पांच हजार जनजातीय समुदायों में से 750 अकेले भारत में निवास करते हैं। अफ्रीका के बाद भारत ही वह स्थान है जहां सबसे अधिक जनजातीय आबादी रहती है। उन्होंने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के ऐतिहासिक और भौगोलिक पहलुओं को साझा करते हुए बताया कि वहां के 572 द्वीपों में से केवल 72 पर मानव निवास है। डॉ. साहू ने बस्तर के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि मानव विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए बस्तर की मिश्रित संस्कृति में काम करने के ढेरों अवसर मौजूद हैं, क्योंकि दुनिया अभी तक बस्तर को पूरी तरह समझ नहीं पाई है।

इससे पूर्व, विभागाध्यक्ष प्रो. स्वप्न कुमार कोले ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि मानव व्यवहार, जीव विज्ञान और संस्कृतियों के वैज्ञानिक अध्ययन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल फरवरी के तीसरे गुरुवार को विश्व मानव विज्ञान दिवस मनाया जाता है। वहीं, सह प्राध्यापक डॉ. सुकृता तिर्की ने आभार प्रदर्शन करते हुए फील्ड वर्क को मानव विज्ञान के अध्ययन का लैंडमार्क बताया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. लखन लाल विश्वकर्मा ने किया। इस शैक्षणिक संगोष्ठी में डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. सजीवन कुमार, डॉ. शारदा देवांगन, डॉ. प्रकाश कुमार सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संगोष्ठी : द्वीप समूह की जनजातियों पर बस्तर विवि में व्याख्यान आयोजित

अंडमान-निकोबार में आधुनिकता के बीच भी जीवित है पुरानी संस्कृति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बस्तर विवि में व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान मौजूद विवि के प्राध्यापक व छात्रगण।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की बीएड अध्ययनशाला में बुधवार को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की जनजातियां एवं उनकी संस्कृति'' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर केंद्र के प्रमुख डॉ. पीयूष रंजन साहू ने ओंगे, जारवा और सेंटिनेलिज जैसी जनजातियों की जीवन शैली, परंपराओं और अस्तित्व संघर्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. साहू ने बताया कि सेवानिवृत्त सैनिकों और देश के विभिन्न हिस्सों से लोगों के बसने के कारण अंडमान-निकोबार अब ''मिनी इंडिया'' का स्वरूप ले चुका है, लेकिन इसके बीच आज भी कुछ जनजातियां पूरी तरह पृथक रहकर अपनी पारंपरिक संस्कृति के साथ जीवन जी रही हैं। उन्होंने अपने सात वर्षों के शोध अनुभव साझा करते हुए कहा कि ये जनजातियां सीमित संसाधनों के बावजूद समृद्ध पारंपरिक ज्ञान की धनी हैं। उनके भोजन में औषधीय गुण पाए जाते हैं और वे प्रकृति आधारित जीवन पद्धति के माध्यम से हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति को सुरक्षित रखे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि भोजन की उपलब्धता के अनुसार ये समुदाय स्थान परिवर्तन करते रहते हैं तथा कुछ जनजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं, जिनकी कुल संख्या मात्र 37 रह गई है। डॉ. साहू ने कहा कि इन समुदायों को उनकी जीवनशैली के साथ जीने का अवसर मिलना चाहिए, हालांकि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए नियंत्रित हस्तक्षेप भी आवश्यक है। उन्होंने बाहरी समाज द्वारा उपयोग किए जाने वाले ''असभ्य'' या ''शत्रुतापूर्ण'' जैसे शब्दों को अनुचित बताया। कार्यक्रम में शोध पद्धतियों– पायलट स्टडी, रैपोर्ट एस्टैब्लिशमेंट और फील्डवर्क–की भी जानकारी दी गई तथा विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने का आग्रह किया गया। अध्ययनशाला अध्यक्ष डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि बस्तर के युवाओं को अन्य क्षेत्रों की जनजातीय परंपराओं से परिचित होना जरूरी है। संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया। इस अवसर पर डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. सोहन कुमार मिश्रा, डॉ. रेखा जीवनानी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुंदरवन एवं कोलकाता का किया शैक्षणिक भ्रमण

शमक विवि के भूगोल अध्ययनशाला का आयोजन, गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना तंत्र की प्रमुख धाराओं के संगम क्षेत्र का किया अवलोकन

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में भूगोल अध्ययनशाला के एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने पश्चिम बंगाल स्थित यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सुंदरवन डेल्टा एवं कोलकाता शहर का एकेडमिक भ्रमण किया। यह भ्रमण भूगोल पाठ्यक्रम में सम्मिलित पेपर फील्ड स्टडी एंड जियोग्राफिकल एक्सकर्सन एंड रिपोर्ट के लिए निर्धारित एक सप्ताह के समुद्रतटीय क्षेत्र अध्ययन के तहत किया गया। विद्यार्थियों ने 17 से 21 फरवरी तक फैकल्टी डॉ राकेश कुमार खरवार के नेतृत्व में रॉयल बंगाल टाईगर के हैविटेट के रूप में प्रसिद्ध सुंदर वन एवं नदी डेल्टा की भू आकृति, तटीय परितंत्र, प्राकृतिक संसाधन, मानवीय क्रियाकलापों एवं अन्य भौगोलिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को दस हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस मैंग्रोव वन और पूर्वी तट को लेकर पाठ्यपुस्तक के अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से देखने का अवसर मिला।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सुंदरवन क्षेत्र में गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना तंत्र की प्रमुख धाराओं के संगम क्षेत्र का अवलोकन किया। लगभग छह घंटे के जंगल सफारी के दौरान सघन मैंग्रोव वन, ज्वारीय प्रभावों तथा द्वीपीय संरचनाओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। वहीं सुंदरखली, बाली सहित अनेक द्वीपों का भ्रमण कर डेल्टा निर्माण की प्रक्रिया, अवसादन तथा जल-प्रवाह प्रणाली की विशेषताओं को समझा। विशेष रूप से विद्यार्थियों ने उच्च ज्वार व निम्न ज्वार की प्रक्रिया के स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान कोलकाता शहर के नगरीय व सांस्कृतिक भूगोल, दक्षिणेश्वर मंदिर, मेट्रो रेल प्रणाली, आर्क ब्रिज का अवलोकन किया। इस ज्ञानवर्धक भ्रमण में विद्यार्थियों को अनुसंधान कौशल विकसित करने का मौका मिला। यह स्टडी टूर विभागाध्यक्ष प्रो मणिशंकर मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। भ्रमण में चंदन, खिरदेव कश्यप, निशा सोनी, सोड़ी राजू, विनीत कुमार बघेल, गोमती, कार्तिक, रितिका नागेश और रमेश शामिल थे।

विवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तहत सृजनात्मक कार्यक्रमों की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▸▸। जगदलपुर

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से विविध

- सीजीकॉस्ट के सहयोग से निबंध प्रतियोगिता, 147 विद्यार्थियों की सहभागिता

सृजनात्मक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। प्रथम आयोजन के रूप में 'सतत विकास के लिए विज्ञान एवं तकनीकी की भूमिका' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई,जिसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं के साथ-साथ क्राइस्ट कॉलेज एवं आसपास के अन्य महाविद्यालयों के कुल 147

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और सतत विकास की अवधारणा को सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में फरवरी माह के दौरान विज्ञान के विभिन्न विषयों पर क्विज प्रतियोगिता, वाद-विवाद,पोस्टर एवं मॉडल मेकिंग, वैज्ञानिक व्याख्यान और एक्सपोजर विजिट जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के व्यावहारिक पक्षों से जोड़ना तथा समाजोपयोगी वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। कार्यक्रमों का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाएगा।इस आयोजन का मार्गदर्शन कार्यक्रम समन्वयक एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अभिषेक अवस्थी द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता एवं आगामी कार्यक्रमों में सहायक प्राध्यापक डॉ कुश कुमार नायक, डॉ नीरज कुमार वर्मा,अतिथि व्याख्याता डॉ अनिता कबी,डॉ सुजाता यादव,डॉ कुसुमलता,डॉ कृष्ण कुमार वर्मा,डॉ सोहनलाल,डॉ सुषमा सिंह,डॉ सुरेंद्र द्विवेदी,डॉ विकास वैष्णव,डॉ शत्रुघन पटेल,डॉ रवि मल्होत्रा,डॉ अनिल भारद्वाज,डॉ लक्ष्मण प्रसाद,संजय पांडेय, कीर्ति सिंह मेहरा,आशीष प्रधान एवं उज्ज्वल पुरी गोस्वामी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वैज्ञानिक चेतना का संदेश

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष 28 फरवरी को समाज में विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस रमन प्रभाव की खोज की घोषणा की स्मृति में मनाया जाता है, जिसने भारतीय विज्ञान को वैश्विक पहचान दिलाई। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम विद्यार्थियों को अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आशीष प्रधान एवं उज्ज्वल पुरी गोस्वामी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं।

50 विज्ञान आधारित प्रश्नों से परखी गई विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शुक्रवार को विज्ञान प्रश्नों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस

- **विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में 169 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा**

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक समझ और सामान्य ज्ञान का परिचय दिया। क्विज प्रतियोगिता में विज्ञान विषय से संबंधित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए, जिनमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथा सामान्य विज्ञान से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल थे। प्रतियोगिता में कुल 169 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की और विज्ञान विषय के प्रति अपनी गहरी रुचि और जागरूकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञान का विस्तार करना रहा। यह आयोजन विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता है और वे विज्ञान के क्षेत्र में नए आयामों को समझने के लिए प्रेरित होते हैं। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीजीकॉस्ट) के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देना और युवाओं को वैज्ञानिक गतिविधियों से जोड़ना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, तार्किक सोच और नवाचार की भावना विकसित करना है। क्विज प्रतियोगिता जैसे आयोजन विद्यार्थियों को विज्ञान के नए तथ्यों और अवधारणाओं से अवगत कराते हैं तथा उन्हें शोध और नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रतियोगिता

शमक विवि में ऑनलाइन एजुकेशन पर रखे गए तर्क

वर्चुअल या क्लास की पढ़ाई बेहतर पर वाद-विवाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

विश्वविद्यालय के कालीपुर कैंपस में वाद-विवाद स्पर्धा के लिए जुटे छात्र-छात्राएं।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ऑनलाईन एजुकेशन बनाम ट्रेडिशनल क्लासरूम लर्निंग विषय पर वाद-विवाद स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस सम-सामयिक स्पर्धा में करीब 50 विद्यार्थियों ने आठ टीम बनाकर भागीदारी दी। इसमें से छह टीमों ने पारंपरिक तरीके से आयोजित किए जा रहे क्लासरूम में अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया के पक्ष में अपने तर्क रखे। केवल दो टीमों ने ऑनलाईन एडुकेशन को अच्छा बताया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने कहा कि ऑनलाईन के लिए तकनीकी सुविधा होने के बावजूद युवा क्लासरूम में आकर पढ़ना पसंद करते हैं। कक्षा शिक्षक के सानिध्य में आकर पढ़ाई बेहतर होता है। ऑनलाइन एडुकेशन महज एक वैकल्पिक व्यवस्था है। यह स्पर्धा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को लेकर छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद के निर्देशानुसार विवि में आयोजित किए जा रहे विविध कार्यक्रमों की कड़ी में किया गया। स्पर्धा में निर्णायक के रूप में उपस्थित प्रो. मणिशंकर मिश्रा, डॉ. रश्मि देवांगन व शिवम सोनवानी के साथ कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभिषेक अवस्थी, सहायक प्राध्यापक डॉ कुश कुमार नायक, डॉ नीरज कुमार वर्मा, अतिथि व्याख्याता डॉ. अनिता कवी, डॉ. सुजाता यादव, डॉ. कुसुमलता, डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ. सोहनलाल, डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. सुरेंद्र द्विवेदी, डॉ. विकास वैष्णव, डॉ. रवि मल्होत्रा, डॉ. अनिल भारद्वाज, संजय पांडेय, कीर्ति सिंह मेहरा, आशीष प्रधान, उज्ज्वल पुरी गोस्वामी, खिलेंद्र कुमार, कृतिका चंद्राकर, रूचि तिवारी, हिमांशी कदम, भारती वर्मा मौजूद रहे।

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (CCOST) तथा
विज्ञान भारती (VIBHA) के संयुक्त तत्वाधान में
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
"रजत जयंती वर्ष"
28 फरवरी, 2026, शनिवार
प्रायोजक : छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर (छ.ग.)
आयोजक : शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)
स्थान - सभागार, कृषि महाविद्यालय, कुम्हरावण्ड, जगदलपुर
पीएम-उषा
vibha
विज्ञान भारती
राष्ट्रीय
विज्ञान दिवस

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
शहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय एवं
अनुसंधान केन्द्र, जगदलपुर
आपका हार्दिक स्वागत करता है।
EXIT
EXIT

THINK HEALTHY
GROWTH
CARE
GPS Map Camera
Palli, Chhattisgarh, India
4x4p+x3, Palli, Chhattisgarh 494001, India
Lat 19.107464° Long 81.985393°
24/02/26 12:41 PM
33.82° C
Google

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर

छोटे-छोटे माइलस्टोन से तय होती है सफलता की राह : नूपुर गोहरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'फ्रॉम डिग्री टू डायरेक्शन स्किल, इंटरप्रेन्योरशिप एंड सेल्फ लीडरशिप' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। विवि आईआईसी के क्वार्टर टू एक्टिविटी एवं पीएम उषा कम्पोनेंट के अंतर्गत एमबीए अध्ययनशाला में हुए कार्यक्रम में नीति आयोग की कंसल्टेंट सुश्री नूपुर गोहरी ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण के व्यावहारिक सूत्र बताए।

- डिग्री से डायरेक्शन तक,स्किल और सेल्फ लीडरशिप पर जोर

सुश्री नूपुर गोहरी ने कहा कि देश में स्टार्टअप की नई लहर है और डेटा एनालिस्ट, बैंकिंग,टीचिंग, फूड प्रोडक्शन,ब्रांडिंग, पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में नवाचार के अवसर बढ़े हैं। डेटा इज गोल्ड" की अवधारणा पर काम करते युवा नई संभावनाएं गढ़ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अखबार पढ़ने, समसामयिक घटनाओं से अपडेट रहने और सोशल मीडिया के अतिरेक से बचने की सलाह दी।

उन्होंने संपूर्णता अभियान 2.0, आकांक्षी जिला व ब्लॉक, ईएसजी, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, गिग इकोनॉमी,प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और छत्तीसगढ़ अंजोर जैसे विषयों पर जानकारी दी। उनका स्पष्ट संदेश था कि केवल डिग्री पर्याप्त नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, व्यवहारिक दक्षता और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता की असली दिशा तय करते हैं।

स्टार्टअप और नवाचार के अवसरों की पहचान,डेटा इज गोल्ड की अवधारणा को समझना, नियमित अखबार पढ़कर समसामयिक ज्ञान बढ़ाना,सोशल मीडिया के अतिरेक से दूरी, नए क्षेत्रों जैसे गिग इकोनॉमी व प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग की जानकारी, बस्तर की स्थानीय समस्याओं पर चिंतन तथा छोटे-छोटे माइलस्टोन निर्धारित कर चरणबद्ध तरीके से करियर को आगे बढ़ाने की रणनीति के बारे में जानकारी दी।

विवि में व्याख्यान : नीति आयोग की कंसल्टेंट ने छात्रों को मोटिवेट किया

युवाओं के लिए हर दिन अखबार पढ़ना जरूरी, सोशल मीडिया के अतिरेक से बचें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शुक्रवार को विवि में युवाओं को संबोधित करतीं आयोग की कंसल्टेंट।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ''फ्रॉम डिग्री टू डायरेक्शन स्किल, इंटरप्रेन्योरशिप एंड सेल्फ लीडरशिप'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय आईआईसी की क्वार्टर-टू गतिविधि और पीएम उषा घटक के अंतर्गत एमबीए अध्ययनशाला में हुए कार्यक्रम में नीति आयोग की कंसल्टेंट नूपुर गोहरी ने विद्यार्थियों को उद्यमिता, कौशल विकास और नेतृत्व क्षमता पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि देश में स्टार्टअप की नई लहर है और डेटा एनालिसिस, बैंकिंग, फूड प्रोडक्शन, ब्रांडिंग व पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में नवाचार के अवसर बढ़े हैं। ''डेटा इज गोल्ड'' की अवधारणा पर काम करते हुए युवाओं को नए अवसर तलाशने चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से अखबार पढ़ने और सोशल मीडिया के अतिरेक से बचने की सलाह देते हुए कहा कि एक अच्छे नेतृत्वकर्ता के लिए समसामयिक ज्ञान जरूरी है। व्याख्यान में उन्होंने संपूर्णता अभियान 2.0, आकांक्षी जिले, ईएसजी, गिग इकोनॉमी, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे विषयों पर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री पर्याप्त नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, व्यवहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता दिलाते हैं। कार्यक्रम में एमबीए विभाग की हेड रश्मि देवांगन आदि मौजूद थे।

आजादी की चेतना के अमर प्रतीक भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव को विवि में श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहीद दिवस के अवसर पर सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला द्वारा वीरों को नमन करने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 23 मार्च 1931 को फांसी पर चढ़ाए गए अमर क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के त्याग और बलिदान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

■ शहीद दिवस पर अर्थशास्त्र विभाग में आयोजन

कार्यक्रम में वक्ताओं ने इन वीर सपूतों के अदम्य साहस, देशप्रेम और क्रांतिकारी विचारों को याद करते हुए उन्हें आजादी की चेतना का जीवंत प्रतीक बताया। युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने पर जोर मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. समीर ठाकुर ने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों का साहस और त्याग हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। सच्ची देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने में निहित है।

सहायक प्राध्यापक डॉ भुनेश्वर लाल साहू ने कहा कि शहीदों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए और उनके विचारों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर पीके मिर्धा ने क्रांतिकारी विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया ,ताकि स्वतंत्रता की भावना सदैव जीवित रह सके। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रेमजीत निराला ने बताया कि ये तीनों क्रांतिकारी केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि आजादी की चेतना,साहस और क्रांति के प्रतीक हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा वातावरण

कार्यक्रम के दौरान डॉ. भेनु ने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए कविता पाठ किया। मेगु मुचाकी ने भाषण के माध्यम से युवाओं के विचार रखे, वहीं वैभव चौधरी ने "मेरा रंग दे बसंती चोला" गीत की प्रस्तुति देकर देशभक्ति का माहौल सृजित किया। इन प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन को भावनात्मक और प्रेरणादायक बना दिया।

अंबेडकर के विचारों से गूंजा बस्तर विश्वविद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय की राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा भारत के महान संविधान निर्माता एवं समाज सुधारक डॉ बीआर अंबेडकरकी जीवनी एवं उनके आदर्शों पर आधारित व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सामाजिक समानता, शिक्षा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति नई जागरूकता पैदा की।

■ युवाओं को मिला समानता और संविधान का संदेश

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज में समानता स्थापित करने के लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही भारतीय संविधान निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को उनके विचारों को व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के मूलमंत्र को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। सामाजिक समरसता, समानता और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया, जिससे युवा वर्ग एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके। इस दौरान राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला के सहायक प्राध्यापक भुनेश्वर लाल साहू, सियालाल नाग एवं पूर्णेन्द्र मिर्धा उपस्थित रहे। साथ ही एमए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र निखिल कुमार सहित अनीता नाग, गुड्डी राम, जय देव, विशाल बघेल, जयराम नाग, लालाराम, ट्विंकल, तनुजा, भूमिका, अनीता, मंजू सोरी, प्रीति एवं सुनेम्पिया सागरिया सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तारीख– 21 जुलाई 2026 मार्गदर्शक व विभागाध्यक्ष – डॉ. विनोद कुमार सोनी

संकलन कर्ता– निरंजन कुमार